हिन्दुस्तान

एविडेंस बेस्ड नर्सिंग पर एम्स का फोकस, विशेष कार्यशाला शुरू

एम्स ऋषिकेश में सोमवार को नर्सिंग अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करती निदेशक प्रो. मीनू सिंह। • हिन्दुस्तान

नर्सिंग रिसर्च

- एम्स में नर्सिंग अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू
- मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार देने पर जोर

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में क्लिनिकल नर्सों में अनुसंधान संबंधी ज्ञान एवं कौशल को सुदृढ़ करने तथा साक्ष्य-आधारित नर्सिंग प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। कार्यशाला के पहले दिन विशेषज्ञों ने एविडेंस बेस्ड प्रैक्टिस को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

सोमवार को एम्स में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने एविडेंस-बेस्ड प्रैक्टिस विषय पर एक ज्ञानवर्धक सत्र को संबोधित किया और क्लीनिकल निर्णय लेने तथा रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुसंधान साक्ष्यों को दैनिक नर्सिंग प्रैक्टिस में शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साक्ष्य आधारित अभ्यास वह प्रक्रिया है जो परिभाषित करती है कि रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल किस प्रकार उपलब्ध हो सके। मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉ. अनिता रानी कंसल ने कहा कि संस्थान में नर्सिंग सर्विसेज के कंटिन्यूइंग नर्सिंग एजुकेशन सेल द्वारा क्लिनिकल नर्सों के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गयी है। कार्यशाला के दौरान रिसर्च मेथडोलॉजी एवं वैज्ञानिक प्रकाशन के विभिन्न पहलुओं पर कई विशेषज्ञ अकादमिक एवं इंटरैक्टिव सत्रों का संचालन करेंगे। इस पहल का उद्देश्य क्लिनिकल नर्सों की रिसर्च क्षमताओं को बढ़ाना तथा नर्सिंग रिसर्च और एविडेंस-बेस्ड हेल्थकेयर प्रैक्टिस में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

मौके पर डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय, डीन रिसर्च प्रो. शैलेंद्र कुमार हांडू, कॉलेज ऑफ नर्सिंग की फेकल्टी डॉ. जेवियर बेंसियाल, डॉ. के राजराजेश्वरी, डॉ. संदीप कुमार, आयुष विभाग के मेडिकल ऑफिसर डॉ. श्रीलॉय मोहंती आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्र चेतना

एम्स ऋषिकेश में नर्सिंग अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय रिसर्च कार्यशाला शुरू

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में क्लिनिकल नर्सों की अनुसंधान क्षमता विकसित करने और एविडेंस बेस्ड नर्सिंग प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार से पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। ह्वरिसर्च मेथडोलॉजी फ्रॉम प्रपोजल टू पब्लिकेशनह्व विषय पर आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि रोगियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नर्सिंग कार्यप्रणाली में वैज्ञानिक शोध और साक्ष्य आधारित निर्णयों को शामिल करना समय की आवश्यकता है। उद्घाटन सत्र में डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय, डीन रिसर्च प्रो. शैलेन्द्र कुमार हांडू तथा कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विशेषज्ञों ने भी शोध आधारित नर्सिंग सेवाओं के महत्व पर अपने विचार रखे। मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉ. अनिता रानी कंसल ने बताया कि कंटिन्यूइंग नर्सिंग एजुकेशन (सीएनई) सेल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में अगले पांच दिनों तक रिसर्च मेथडोलॉजी, वैज्ञानिक लेखन और शोध प्रकाशन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य नर्सिंग अधिकारियों को शोध कार्यों के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के लिए तैयार करना है। कार्यशाला में वरिष्ठ लाइब्रेरियन डॉ. के. राजराजेश्वरी, सूचना अधिकारी डॉ. संदीप कुमार सिंह, आयुष विभाग के डॉ. श्रीलॉय मोहंती सहित कई विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डीएमएस डॉ. रवि कुमार, सीएनई सेल के सदस्य, डीएनएस, एएनएस, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधान टाइम्स

नर्सिंग में एविडेंस बेस्ड प्रेक्टिस को बढ़ावा देने पर जोर

नर्सिंग अधिकारियों के लिए एम्स में शुरू हुई पांच दिवसीय कार्यशाला

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

ऋषिकेश। क्लिनिकल नर्सों में अनुसंधान संबंधी ज्ञान एवं कौशल को सुदृढ़ करने तथा साक्ष्य-आधारित नर्सिंग प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम्स ऋषिकेश में पांच दिवसीय कार्यशाला सोमवार से शुरू हो गयी। कार्यशाला के पहले दिन विशेषज्ञों ने एविडेंस बेस्ड प्रैक्टिस को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

एम्स ऋषिकेश में क्लिनिकल नर्सों के लिए रिसर्च मेथडोलॉजी विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने एविडेंस-बेस्ड प्रैक्टिस विषय पर एक ज्ञानवर्धक सत्र को संबोधित किया और क्लिनिकल निर्णय लेने तथा रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुसंधान साक्ष्यों को दैनिक नर्सिंग प्रैक्टिस में शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साक्ष्य आधारित अभ्यास वह प्रक्रिया है जो परिभाषित करती है कि रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल किस प्रकार उपलब्ध हो सके। उद्घाटन समारोह को डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय, डीन रिसर्च प्रो. शैलेंद्र कुमार हांडू और कॉलेज ऑफ नर्सिंग की फैकल्टी डॉ. जेवियर बेंसियाल आदि ने भी संबोधित किया। कार्यशाला के बारे में मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉ. अनिता रानी कंसल ने बताया कि संस्थान में नर्सिंग सर्विसेज के कंटिन्यूइंग नर्सिंग एजुकेशन (सी.एन.ई.) सेल द्वारा क्लिनिकल नर्सों के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गयी है जो अगले 5 दिनों तक संचालित होगी। उन्होंने बताया कि इसका आयोजन रिसर्च मेथडोलॉजी फ्रॉम प्रपोजल टू पब्लिकेशन विषय पर किया जा रहा है। बतादें कि पांच दिवसीय कार्यशाला के दौरान रिसर्च मेथडोलॉजी एवं वैज्ञानिक प्रकाशन के विभिन्न पहलुओं पर कई विशेषज्ञ अकादमिक एवं इंटरैक्टिव सत्रों का संचालन करेंगे। इस पहल का

अमर उजाला

साक्ष्य-आधारित नर्सिंग प्रैक्टिस को बढ़ावा देने पर जोर

ऋषिकेश। क्लिनिकल नर्सों में अनुसंधान संबंधी ज्ञान एवं कौशल को सुदृढ़ करने तथा साक्ष्य-आधारित नर्सिंग प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एम्स में पांच दिवसीय कार्यशाला सोमवार से शुरू हो गई। पहले दिन विशेषज्ञों ने एविडेंस बेस्ड प्रैक्टिस को बढ़ावा देने पर जोर दिया। सोमवार को कार्यशाला का शुभारंभ निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि साक्ष्य आधारित अभ्यास वह प्रक्रिया है जो परिभाषित करती है कि रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल किस प्रकार उपलब्ध हो सके। मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉ. अनिता रानी कंसल ने बताया कि संस्थान में नर्सिंग सर्विसेज के कंटिन्यूइंग नर्सिंग एजुकेशन सेल की ओर से क्लिनिकल नर्सों के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गई है जो अगले 5 दिनों तक संचालित होगी। उन्होंने बताया कि इसका आयोजन रिसर्च मेथडोलॉजी फ्रॉम प्रपोजल टू पब्लिकेशन विषय पर किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह को डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय, डीन रिसर्च प्रो. शैलेंद्र कुमार हांडू और कॉलेज ऑफ नर्सिंग की डॉ. जेवियर बेंसियाल आदि मौजूद रहे। संवाद